निर्भीक जैक



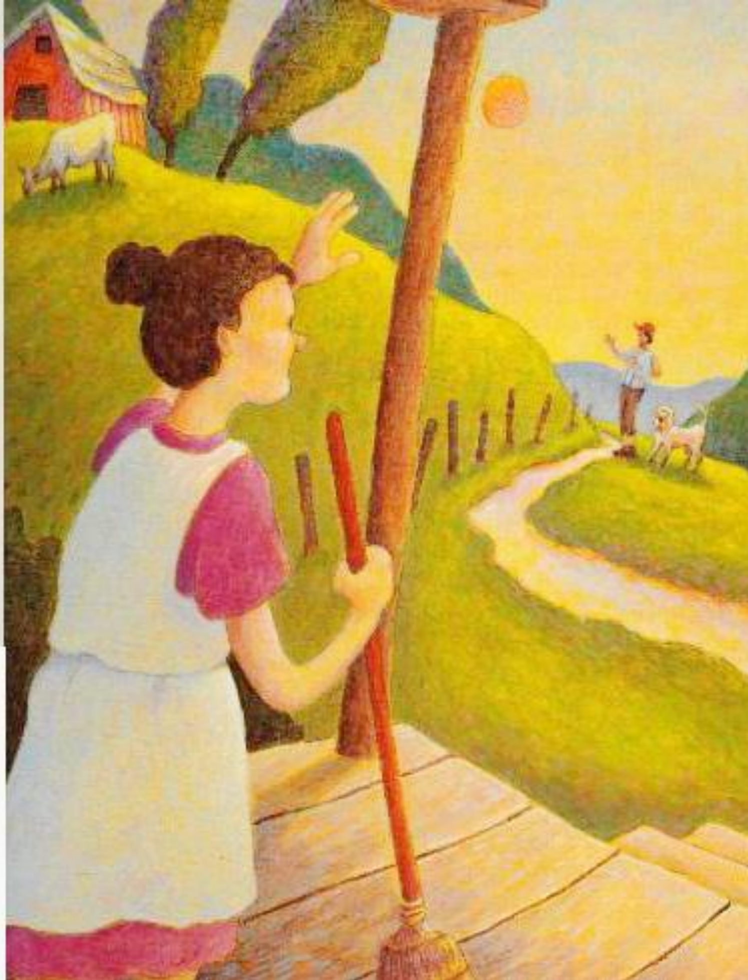
निर्भीक जैक



निर्भीक जैक







बात उन दिनों की है जब दैत्यों और यूनिकॉर्न और ऐसे ही अन्य भयंकर जीवों से लोग भयभीत रहते थे. तब कहीं एक वृद्ध महिला और उसका बेटा जैक रहते थे.

जैक के दो बड़े भाई भी थे लेकिन वह धन कमाने के लिए घर से दूर गये हुए थे. माँ की देखभाल करने के लिए घर में सिर्फ जैक था. लेकिन एक समय आ गया जब उनके पास एक बर्तन और एक सिक्का ही बचा था. तब जैक की माँ ने कहा, “जैक इसके पहले की हम भूख से मर जाएँ, क्या तुम्हें कोई काम नहीं ढूँढ़ लेना चाहिए?” जैक की माँ ने घर में बचा आखिरी बिस्कुट और एक सैंडविच उसे बाँध कर दे दिया और काम की तलाश में घर से भेज दिया.

जैक कुछ पहाड़ियों के ऊपर चढ़ा और कुछ पहाड़ियों के नीचे उतरा और तब उसे खूब भूख लग गई. बिस्कुट और सैंडविच खाने के लिए वह एक बड़ी चट्टान के पास बैठ गया.

शीघ्र ही एक मधुमक्खी निकट आकर उसकी बिस्कुट पर मंडराने लगी. फिर एक और आ गई, फिर एक और. "यहाँ पिकनिक करने के लिए तुम्हें किसने बुलाया है?" जैक ने चिल्ला कर कहा और मक्खियों को हटाने के लिए उसने अपने हाथ यहाँ-वहाँ घुमाए. लेकिन उससे कोई फर्क न पड़ा. इसके पहले की वह कुछ समझ पाता मधुमक्खियों का सारा झुंड उसके सैंडविच पर भिनभिनाने लगा.

जैक बहुत क्रोधित हो गया, बहुत क्रोधित. उसने अपनी टोपी उतारी और बड़े जोर से मक्खियों को मारा, *फटाक!*



सैंडविच पर मरी हुई मधुमक्खियों को जैक हटाने लगा, "एक, दो, तीन, चार......" जैक ने दस तक गिना. "बुरा नहीं है," उसने कहा. "एक वार में दस."

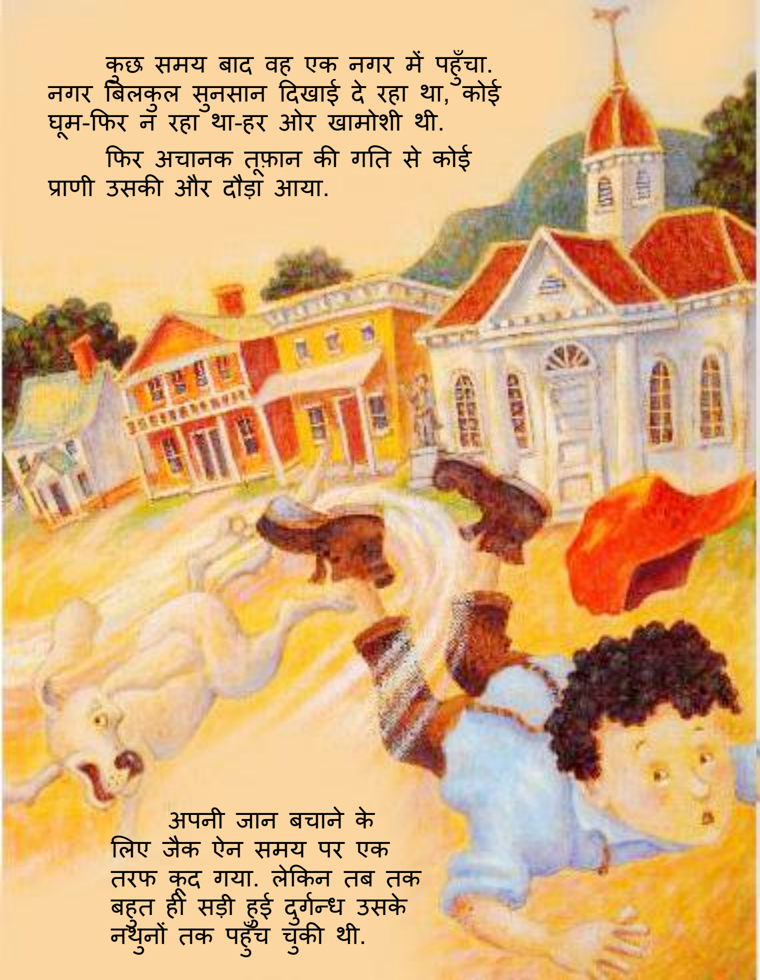
एक घमंडी मुर्गे के समान उसने अपनी छाती फुलाई. "एक वार में दस!"

उसने एक छोटी डंडी छील कर, उसकी नोक को नीले बेरों के रस में डुबो कर अपनी टोपी पर लिखा, ***निर्भीक जैक जिसने एक वार में मारा दस को***. फिर उसने अपना सैंडविच खाया और अपने रास्ते चल दिया.



कुछ समय बाद वह एक नगर में पहुँचा. नगर बिलकुल सुनसान दिखाई दे रहा था, कोई घूम-फिर न रहा था-हर ओर खामोशी थी.

फिर अचानक तूफ़ान की गति से कोई प्राणी उसकी और दौड़ा आया.



अपनी जान बचाने के लिए जैक ऐन समय पर एक तरफ कूद गया. लेकिन तब तक बहुत ही सड़ी हुई दुर्गन्ध उसके नथुनों तक पहुँच चुकी थी.



"यह क्या बला है?" उस प्राणी को नगर के बीच में से फुंफकारते हुए जाते देख कर जैक ने कहा.

कुछ मिनटों के बाद एक आदमी ने घर का दरवाज़ा खोल कर बाहर देखा. "तुम अभी भी सांस ले पा रहे हो, बच्चे?"

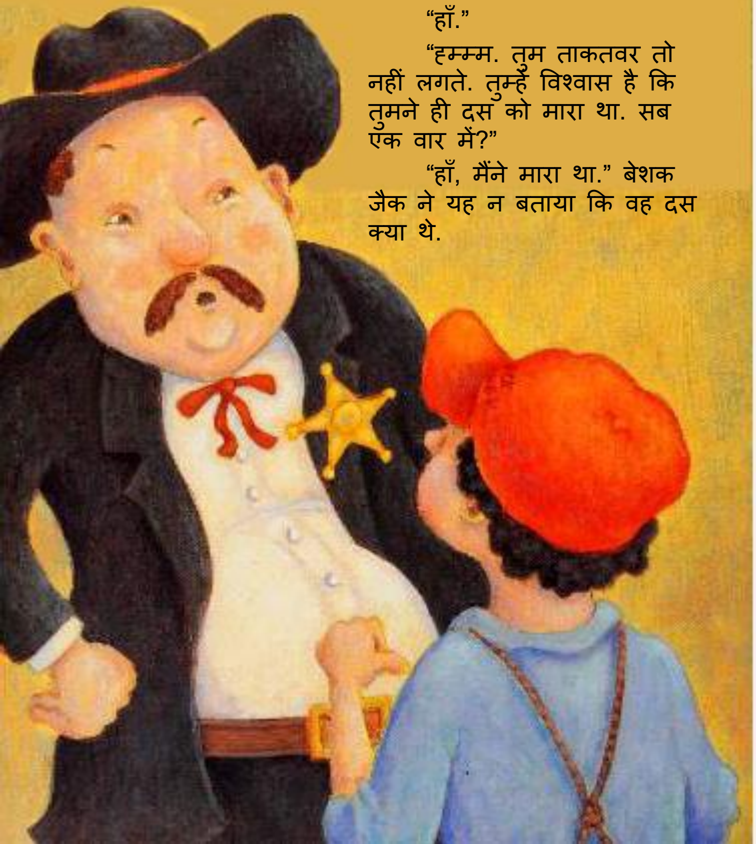
"हाँ, निश्चय ही," जैक ने कपड़ों से धूल झाड़ते हुए कहा.

वह आदमी ने अपना सिर थोड़ा सा बाहर निकाला और दायें-बायें देखने लगा. आखिरकार वह बाहर आया.

"मैं इस नगर का शैरिफ हूँ. तुम कौन हो?"

"मेरा नाम जैक है."

शैरिफ ने उसे ऊपर से नीची और नीचे से ऊपर देखा. उसने जैक की टोपी पर लिखा वाक्य पढ़ा. “इस पर लिखा है कि तुमने एक ही वार में दस मार दिए.”



“हाँ.”

“हम्म्म. तुम ताकतवर तो नहीं लगते. तुम्हें विश्वास है कि तुमने ही दस को मारा था. सब एक वार में?”

“हाँ, मैंने मारा था.” बेशक जैक ने यह न बताया कि वह दस क्या थे.

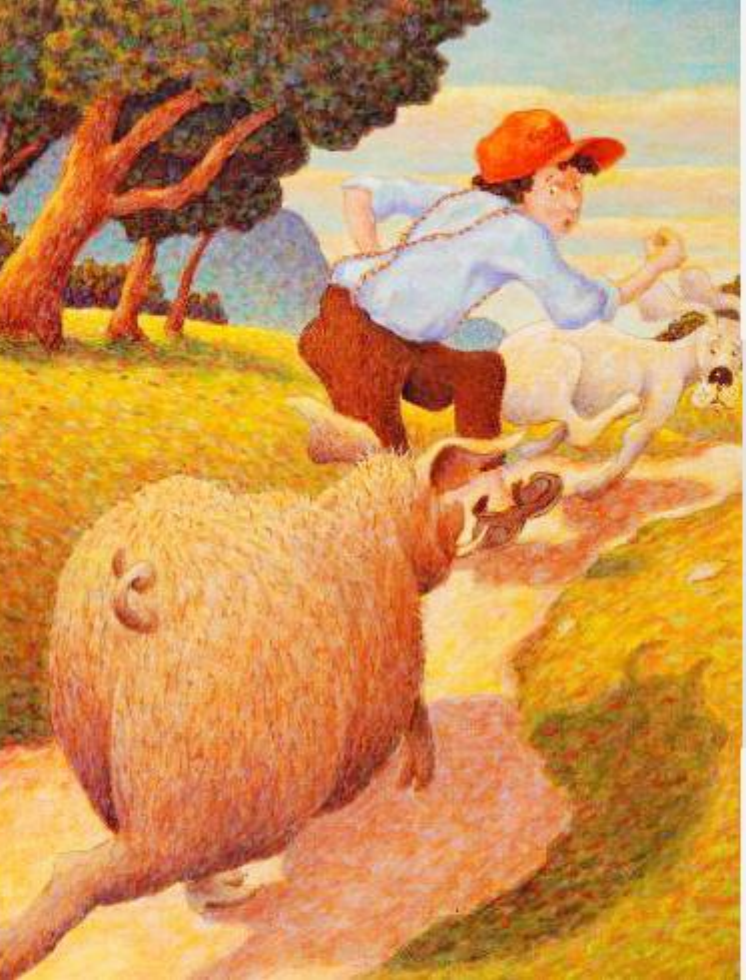
“ठीक है बच्चे, अगर तुम सत्य कह रहे हो-हालांकि मुझे संदेह-तुम सही जगह आ गये हो. यहाँ भी कुछ जंगली जानवर परेशान कर रहे हैं. सबको डरा कर रखा है इन प्राणियों ने, पशुओं को मार रहे हैं, फसल को बर्बाद कर रहे हैं. लोग तो घरों से बाहर आने से डरते हैं. सच्चाई तो यह है कि इन धूर्त प्राणियों को पकड़ने के लिए पुरस्कार की घोषणा भी हो रखी. लेकिन मैं तुम्हें सावधान कर देना चाहता हूँ, तुम्हारे जैसे कई बड़बोले प्रयास कर चुके हैं. लेकिन उन में से कोई भी फिर यहाँ दिखाई न दिया,” शैरिफ ने मक्कारी से मुस्कराते हुए कहा. “लेकिन मुझे लगता है कि जिस किसी ने एक वार में दस मारें हों वह इन थोड़े से दुष्ट जंगली प्राणियों से अवश्य निपट सकता है.”



जैक कुछ देर सोचता रहा. फिर बोला, “पुरस्कार कितना है?”

“नकद एक सौ डॉलर.”

जैक को लगा कि उसकी माँ और उसके लिए एक सौ डॉलर कुछ समय के लिए पर्याप्त होंगे. लेकिन मधुमक्खियों और जंगली दुष्ट जानवरों के अंतर को वह समझता था. इसलिए जैक ने सिर्फ इतना कहा, “मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ.”



जैक अपने रास्ते चल पड़ा. उसने सोचा की एक जंगली जानवर का शिकार करना जोखिम भरा काम था. उसने तय किया कि वह चुपचाप यहाँ से निकल कर किसी दूसरे नगर चला जाएगा और वहाँ पर कोई सामान्य काम तलाश करेगा. चाहे उस काम में ज़्यादा पैसे क्यों न मिलें पर वह सुरक्षित होगा.

जैक नगर से बाहर निकला ही था की उसे फुफकारने और घरघराने की भयंकर आवाज़ सुनाई दी. उसने चारों ओर देखा और उसे इतना बड़ा और खूंखार सूअर दिखाई दिया जैसा उसने आजतक न देखा था.

“ऊऊउईईई.” जैक चिल्लाया और भागा. वह भयानक सूअर उसके पीछे इतनी तेज़ दौड़ा कि लगभग उसने जैक को पकड़ ही लिया.



भाग्य ने जैक का साथ दिया उसे मकई रखने वाला एक खाली कोठार दिखाई दिया. वह सीधा उसकी ओर दौड़ा. वह उसके अंदर चला गया और उसकी पिछली दीवार पर चढ़ गया. जंगली सूअर उसके पीछे ही था. पर वह दीवार पर न चढ़ सकता था. वह बस दीवार के पास खड़ा होकर चीखता हुआ जैक को पकड़ने की कोशिश करने लगा.



जैक पिछली दीवार पार कर, नीचे उतर गया और कोठार से बाहर आ गया. वह भाग कर दरवाज़े की ओर आया और उसे ज़ोर से बंद कर दिया और दरवाज़े के साथ एक लट्ठ इस तरह फंसा दिया कि वह खुल न सके. जब सूअर को पता चला कि क्या हुआ था वह गुस्से से पागल हो गया. उसने दरवाज़े को धक्का मारा पर दरवाज़ा खुला नहीं.

जैक नगर वापस आ गया. वह अकड़ कर चल रहा था और सीटी बजा रहा था.

"तुम्हें कोई जंगल प्राणी दिखाई दिया?" शैरिफ ने पूछा.

"मुझे तो कोई भयंकर सूअर नहीं मिला, लेकिन एक छोटा सा सूअर दिखाई दिया था," जैक ने कहा. "छोटा सा, प्यारा सा. लेकिन वह मुझे तंग करने लगा. मैंने उसे पूंछ से पकड़ कर मकई के खाली कोठार में बंद कर दिया. आप जाकर उसे देख लो, शायद उन जंगली जानवरों में से वह एक हो."

जब शैरिफ ने सूअर को उस कोठार में बंद देखा तो उसकी आँखें खुली की खुली रह गईं. "अरे निर्भीक जैक, मैंने तुम्हारे बारे में गलत सोचा था. मैंने सोचा न था कि तुम इतने बड़े शिकारी हो, तुम इतने छोटे जो हो."

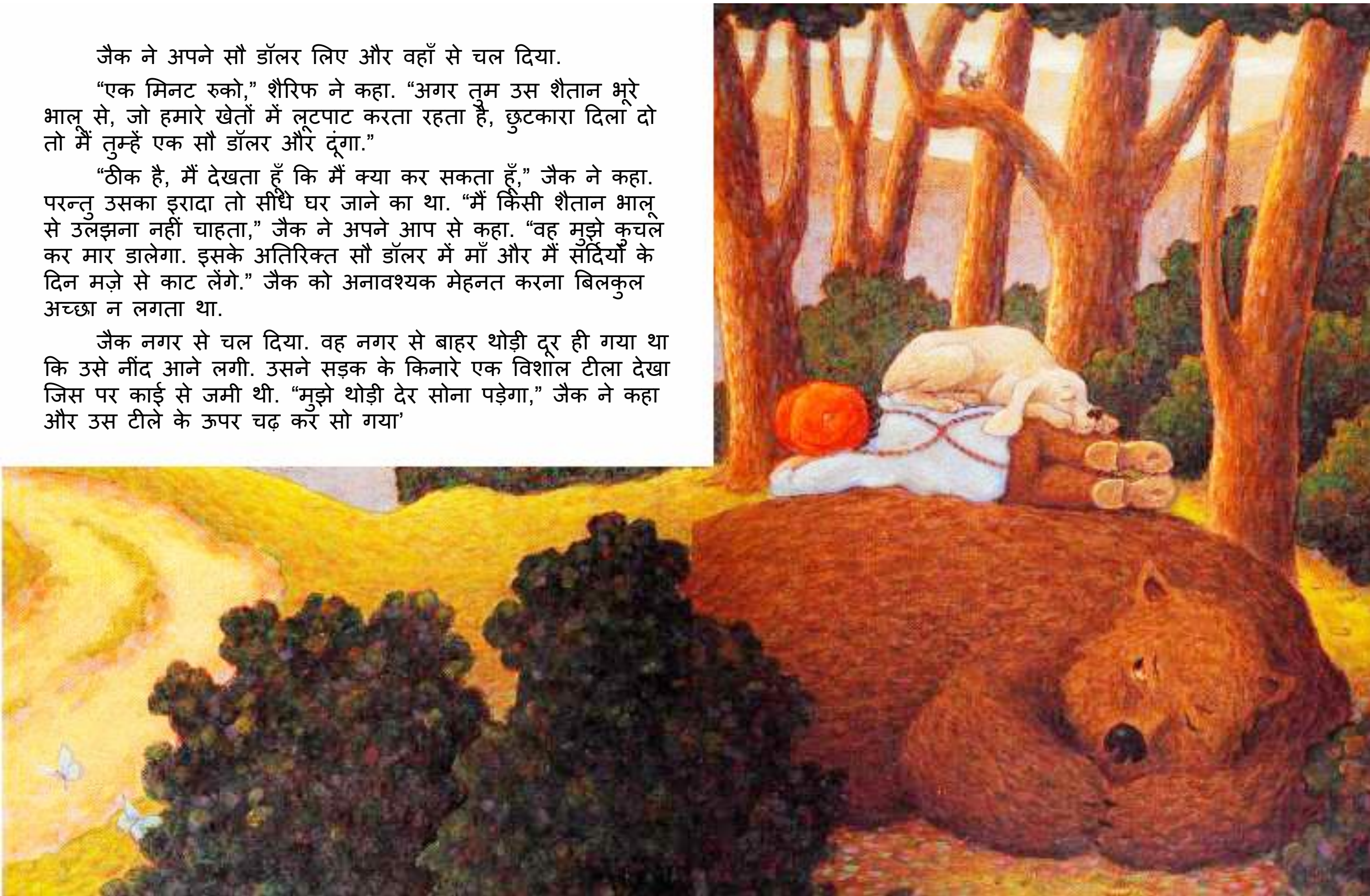


जैक ने अपने सौ डॉलर लिए और वहाँ से चल दिया.

"एक मिनट रुको," शैरिफ ने कहा. "अगर तुम उस शैतान भूरे भालू से, जो हमारे खेतों में लूटपाट करता रहता है, छुटकारा दिला दो तो मैं तुम्हें एक सौ डॉलर और दूंगा."

"ठीक है, मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ," जैक ने कहा. परन्तु उसका इरादा तो सीधे घर जाने का था. "मैं किसी शैतान भालू से उलझना नहीं चाहता," जैक ने अपने आप से कहा. "वह मुझे कुचल कर मार डालेगा. इसके अतिरिक्त सौ डॉलर में माँ और मैं सर्दियों के दिन मज़े से काट लेंगे." जैक को अनावश्यक मेहनत करना बिलकुल अच्छा न लगता था.

जैक नगर से चल दिया. वह नगर से बाहर थोड़ी दूर ही गया था कि उसे नींद आने लगी. उसने सड़क के किनारे एक विशाल टीला देखा जिस पर काई से जमी थी. "मुझे थोड़ी देर सोना पड़ेगा," जैक ने कहा और उस टीले के ऊपर चढ़ कर सो गया'



जैक ने भयंकर सपना देखा. सपने में उसने एक भूरा भालू देखा जो पहाड़ समान बड़ा, शैतान समान निर्दय और बकरी समान भूखा था. और जैक उस की पीठ पर सवार था.

लेकिन यह एक सपना नहीं था! जब जैक पूरी तरह जाग गया तो उसने देखा की वह सच में भालू पर सवार था. कार्निवल के एक झूले की तरह भालू पीछे की ओर जा रहा था. वह गरजा रहा था और जैक को पकड़ने के लिए अपने शक्तिशाली हाथ दायें-बायें पटक रहा था.





अंतत जैक को एक गूलर के पेड़ के साथ दबाने के इरादे से वह विशाल भालू पीछे की ओर जाने लगा. भगवान् का शुक्र है कि भालुओं के सिर की पिछली तरफ आँखें नहीं होतीं, इसलिए वह देख न पाया कि वह किस ओर जा रहा था. वह पेड़ के बजाय एक गहरे, सूखे कुएं के पास पहुँच गया और लुढ़क कर उसमें गिर गया. ऐन मौके पर जैक नें कूद कर पेड़ की डाल पकड़ ली.

"गर्रर्रर्रर्र!" तुमने इतना शोरगुल आजतक न सुना होगा जितना शोरगुल उस भालू ने बाहर निकलने के प्रयास में किया था. जब भी ऊपर चढ़ने के लिए कुएं की दीवार को खरोंचता, पत्थर टूट कर बाहर आ जाते और भालू फिर से नीचे गिर जाता.



हाँ श्रीमान, जैक को अभी से अपनी जेब में अतिरिक्त सौ डॉलर महसूस होने लगे.

"तो शैरिफ," जैक ने नगर लौट कर कहा, "मुझे कोई भयंकर भालू तो नहीं मिला. लेकिन एक रोता हुआ नन्हा भालू दिखाई दिया था. मैं कुछ समय तक उसके साथ खेलता रहा पर फिर वह मुझे सोने नहीं दे रहा था. मैंने उसे वहां उधर एक सूखे कुएं में धकेल दिया."

"निर्भीक जैक, तुम तो बहुत विशेष हो," कुएं में गिरे हुए विशाल भालू को देखने के बाद शैरिफ ने कहा. फिर उसने जैक को उसके पैसे दिए. "अगर तुम एक और जंगली जानवर से छुटकारा दिला दो तो मैं तुम्हारा आभारी रहूँगा."

"कितने आभारी रहेंगे?"

"तीन सौ डॉलर."

जैक ने मुंह से सीटी बजाई. "बहुत ही दुष्ट जानवर होगा."

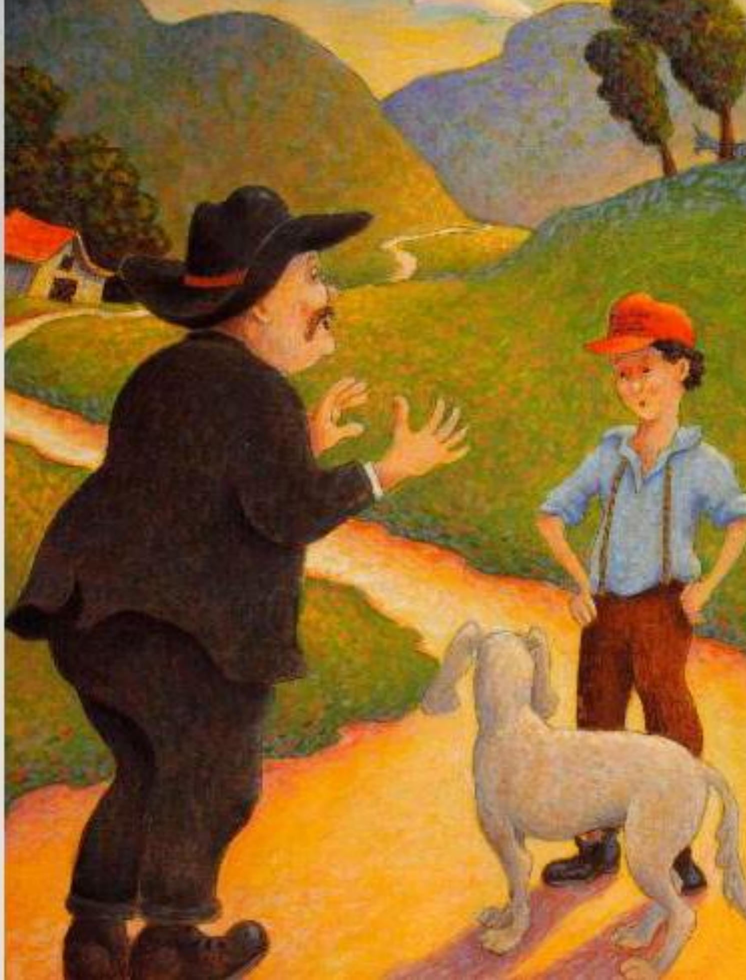
"तुम्हें अनुमान भी न होगा," शैरिफ ने कहा. "तुम्हें याद है जब तुम पहली बार नगर के अंदर आये थे तो कौन तुम्हारा पीछा कर रहा था? वह एक जंगली यूनिकॉर्न था जिसने तुम्हें लगभग कुचल ही दिया था."

"आप बड़ा-चढ़ा कर बोले रहे हैं."

"नहीं. उस बदमाश यूनिकॉर्न ने लगभग सौ गायों को सींग से मार है और इतनी ही भेड़ों को और दो या तीन वृद्ध महिलाओं को भी."

"ठीक है, मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ," जैक ने कहा. "लेकिन इसके लिए आपको पाँच सौ डॉलर नकद देने पड़ेंगे."

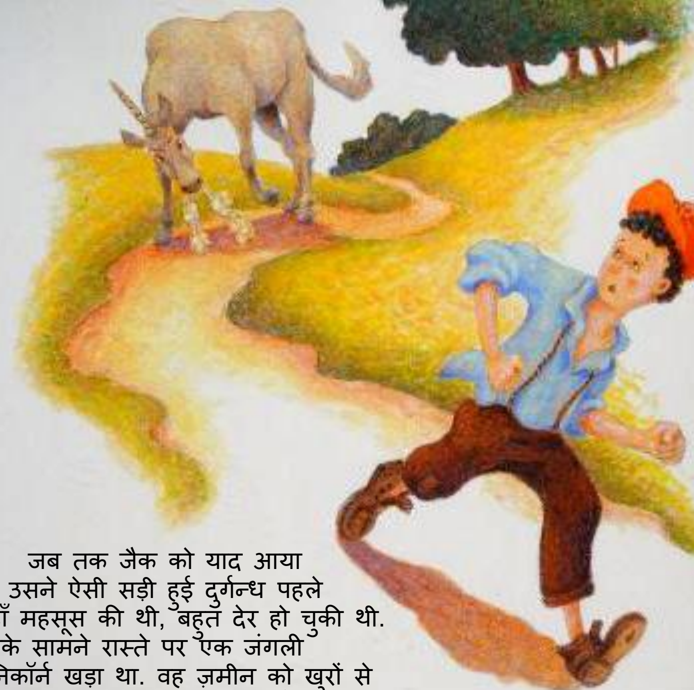
"मुझे लगता है यह हमारे लिए यह सस्ता सौदा होगा," शैरिफ ने हामी भरते हुए कहा.



जैक ने यूनिकॉर्न के बारे में सुन रखा था परन्तु यूनिकॉर्न के साथ उसका सामना कभी न हुआ था. वह जानता था कि किसी यूनिकॉर्न के साथ जान-पहचान बनाने का यह समय न था. जैक नगर से निकल कर अपने रास्ते चल दिया.

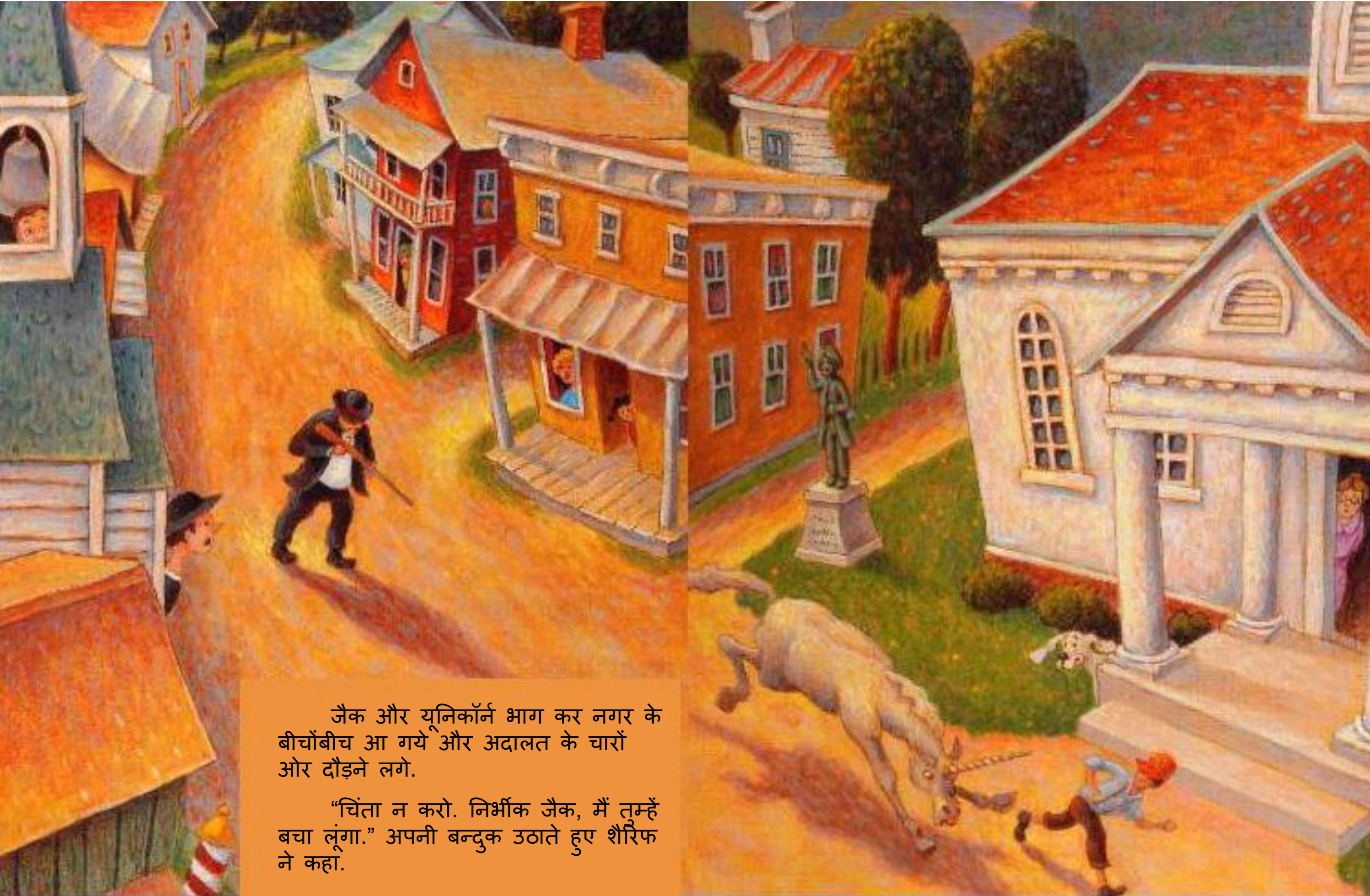
जैक अधिक दूर न गया था कि भयंकर दुर्गंध उसने महसूस की. आरम्भ में तो उसे पता न चला. “यहाँ कोई बिल्ली भी नहीं है. यहाँ कोई सड़े हुए अंडे भी नहीं हैं. तीन दिन पुरानी कोई मछली भी नहीं है.”





जब तक जैक को याद आया कि उसने ऐसी सड़ी हुई दुर्गन्ध पहले कहाँ महसूस की थी, बहुत देर हो चुकी थी. उसके सामने रास्ते पर एक जंगली यूनिकॉर्न खड़ा था. वह ज़मीन को खुरों से खरोंच रहा था और बदबू भरी साँस बाहर फुफकार रहा था. उसने जैक को घूर कर देखा. उसने अपना सींग जैक की दिशा में किया और उस की ओर दौड़ा.

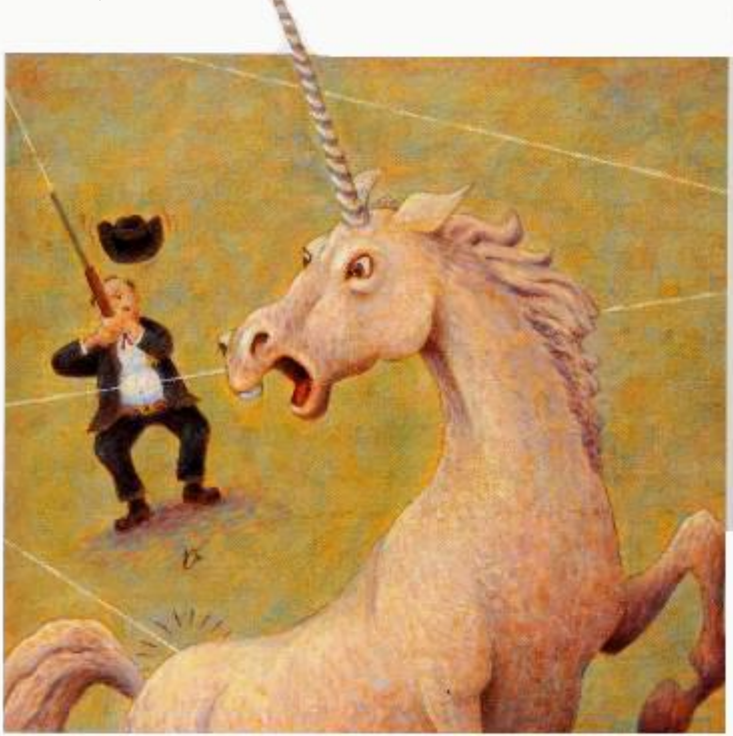
जहाँ चल कर पहुँचा जा सकता था जैक वहाँ कभी भी भाग कर न जाता था. लेकिन अगर कभी उसे भागना पड़ता तो वह तूफ़ान की गति से भाग सकता था. जैक को लगा यही समय था जब उसे खूब तेज़ भागना पड़ेगा. और वह भागा. लेकिन जंगली यूनिकॉर्न उसके बिलकुल पीछे था.



जैक और यूनिकॉर्न भाग कर नगर के बीचोंबीच आ गये और अदालत के चारों ओर दौड़ने लगे.

“चिंता न करो. निर्भीक जैक, मैं तुम्हें बचा लूंगा.” अपनी बन्दुक उठाते हुए शैरिफ ने कहा.

जैसा तुम्हें संदेह हुआ होगा, शैरिफ सही निशाना नहीं लगा सकता था. उसने ट्रिगर दबाया और पहली गोली दूर आकाश की ओर चली गई. उसने दुबारा निशाना लगाया और गोली चलाई और इस बार गोली ज़मीन की मिट्टी में धंस गई. अगली गोली चर्च की घंटी से जा टकराई और लौट कर अदालत के बगीचे में लगी मूर्ति से टकराई फिर आगे जाकर गोली एक खम्बे से टकराई और एक बार फिर घूम कर सीधी यूनिकॉर्न के पिछवाड़े पर लगी.





अब तक यूनिकॉर्न ने जैक को दौड़ा-दौड़ा कर थका दिया था. वह जैक को सींग मारने ही वाला था जब उसके पिछवाड़े में गोली लगी. उसका निशाना चूक गया और उसका सींग, पूरा का पूरा, एक बड़े बलूत के पेड़ में जा घुसा.

वह जंगली यूनिकॉर्न इतनी जोर से चिल्लाया कि पहाड़ के एक तरफ से चट्टानें और पत्थर फिसल कर नीचे आने लगे. लेकिन बहुत कोशिश करने के बाद भी वह सींग को बाहर न निकाल पाया. आखिरकार, इतनी छटपटाहट के कारण उसका सींग टूट गया और यूनिकॉर्न-या वह पशु जो कभी यूनिकॉर्न हुआ करता था- एक पिटे हुए पिल्ले के समान नगर से दूर भाग गया.



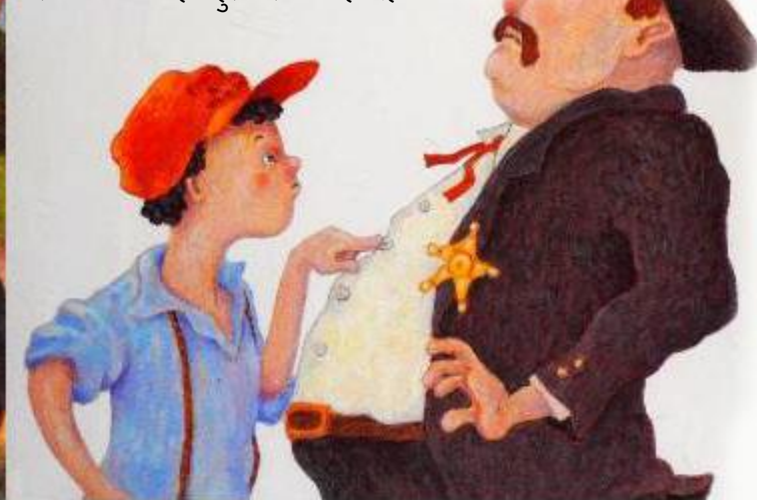
"अरे यह आपने क्या किया," जैक ने शैरिफ से कहा. "क्या आप जानते नहीं कि यूनिकॉर्न उतने ही दुर्लभ होते हैं जितने कि मुर्गी के दाँत? सारी दुनिया में शायद गिने-चुने ही यूनिकॉर्न हैं. अगर मैं चाहता तो मैं उसे जंगल में ही मार सकता था. लेकिन मैं उसके साथ एक सर्कस में भाग लेने वाला था. मैं उसे इतना थका देना चाहता था कि मैं उस पर चढ़ कर सवार हो सकता. तभी आपने गोलियां मार कर सब गड़बड़ कर दी."

"मुझे बहुत अफसोस है, मुझे क्षमा कर दो, निर्भीक जैक," शैरिफ ने कहा.

"मेरे नुकसान की भरपाई करने के लिए आपको अब दुगने पैसे देने पड़ेंगे."

शैरिफ ने एक मिनट सोचा फिर कहा, "मुझे लगता है मुझे इतना तो करना ही चाहिए."

जैक ने एक हज़ार डॉलर लिए और चल दिया. अपनी माँ को दिखाने के लिए कि वह कितने धनी थे वह बहुत उतावला हो रहा था.



जैसे ही जैक चला शैरिफ ने चिल्ला कर कहा, “हे, निर्भीक जैक! मुझे लगता है कि पहाड़ के उस ओर रहने वाले दैत्यों से तुम जैसे लड़के को डरने की कोई आवश्यकता नहीं है.”



“दैत्य!” जैक ने पूछा.